

‘राज्यपाल विधेयकों को राष्ट्रपति के पास नहीं भेज सकते’

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, राज्यपाल किसी विधेयक से यदि असहमत हैं तो मुख्यमंत्री के साथ बातचीत करके विधेयकों में बदलाव कराने का प्रयास कर सकते हैं लेकिन उसे हमेशा के लिए रोक नहीं सकते

नयी दिल्ली, 1 दिसंबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि विधानसभा की ओर से भेजे गए विधेयक पर एक बार जब राज्यपाल सहमति नहीं देते तो बाद में यह नहीं कह सकते कि वह इसे राष्ट्रपति के पास भेज देंगे।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर यह टिप्पणी की और स्पष्ट किया कि एक बार जब राज्यपाल सहमति रोक देते हैं तो वह इसे हमेशा के लिए रोककर "विधेयक को खत्म" नहीं कर सकते।

पीठ ने अर्टॉनी जनरल आर वेंकटरमणी से कहा कि बहुत सारी चीजें हैं जिन्हें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और वहां के राज्यपाल के बीच हल करना होगा। पीठ ने कहा, "यदि

भारत ने विदेशों में छुपे 1 8 4 आर्थिक भगोड़ों की लाँकेशन का पता लगाया

सी.बी.आई. ने दावा किया कि, भारतीय एजेंसियों ने इंटरपोल के साथ मिलकर इन आर्थिक अपराधियों की गिरफ्तारी व स्वदेश वापसी की कवायद शुरू कर दी है

नई दिल्ली,1 दिसम्बर।केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने विभिन्न देशों में 184 अपराधियों का पता लगा लिया है और इंटरपोल तथा संबंधित देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद से उनकी वापसी के लिए औपचारिक कार्यवाही शुरू कर दी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के प्रमुख दिनकर गुप्ता ने विचना में इंटरपोल की 91 वीं आम सभा में "अपराध, अपराधियों और अपराधों की आश के लिए किसी भी सुरक्षित आश्रय से इनकार करने" पर जोर दिया।

संघीय भ्रष्टाचार निरोधक जांच एजेंसी पहले ही इस वर्ष कम से कम 24 भगोड़ों की वापसी करा चुकी है। भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के बीच बढ़ते सहयोग के परिणामस्वरूप 2021 से 65 से अधिक ऐसे व्यक्तियों को वापस लाया गया है। पिछले साल जहां 27 अपराधियों को भारत वापस लाया गया, वहीं 2021 में 18 को वापस लाया गया।

सीबीआई ने एक बयान में कहा, "2023 में भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा वांटेड 24 अपराधियों

फ्लाइट में महिला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की थी क्योंकि महिला को प्लस फिक बंद हो गई। हम करीब 30 मिनट तक लगातार कोशिश करते रहे लेकिन धड़कन बार-बार आ रही थी और थोड़ी देर में वापस बंद हो रही थी। पर हमने हार नहीं मानी और लगातार सीपीआर देते रहे जिससे बाद में महिला की धड़कन पूरी तरह से आ गई।

फ्लाइट में मौजूद लोगों को ये चमत्कार लग रहा था। वायुयान प्रबंधन ने जयपुर में एम्बुलेंस की व्यवस्था करवा दी थी जिससे महिला को अस्पताल पहुंचाया गया। अभी महिला की अस्पताल से छुट्टी हो गई और वो पूरी तरह से स्वस्थ है।

अब तीन को नहीं चार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्नाटक में उनके खुद के ही कुछ रिजार्ट्स हैं। शुक्रवार को कर्नाटक के कुछ पत्रकारों ने जब शिवकुमार से पार्टी नेतृत्व द्वारा दी गई इस जिम्मेदारी को लेकर बात की तो उन्होंने कहा कि इसका श्रेष्ठतम निर्वहन करना उनका कर्तव्य है।

उन्होंने कांग्रेस के प्लान बी को लेकर कोई तथ्य नहीं छिपाया, जिसमें पार्टी की मुख्य चिन्ता अन्य राज्यों में भाजपा और तेलंगाना में अधिक साधन सम्पन्न बी.आर.एम्प. द्वारा कांग्रेस विधायकों की संभावित खरीद फरोख्त है। हम पिछले कई अवसरों पर शिवकुमार का जलवा पहले ही देख चुके हैं। एक बार तो उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को तब मात दी थी जब भाजपा नेतृत्व अहमद पटेल को राज्यसभा चुनावों पराजित करवाना चाहता था और तब कर्नाटक का यह दिग्गज नेता कांग्रेस विधायकों के आगे द्वाार बनकर खड़ा हो गया था। जब तक वोटिंग शुरू नहीं हुई, कांग्रेस विधायक उनकी महफूज सरपरस्ती में रहे।

अब जबकि एग्रीजट पौल्स ने तेलंगाना सहित कुछ राज्यों में कांग्रेस के मुकाबले और त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की है तो एक बार फिर से "रिजार्ट पॉलीटिक्स" का समय आ सकता है।

गोवा में सर्वाधिक विधायकों को जिताने के बावजूद कांग्रेस वहां सरकार का गठन करने में विफल

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, एक बार जब राज्यपाल विधेयकों पर सहमति रोक देते हैं तो वे विधेयक को हमेशा के लिए अपने पास रोककर "विधेयक को खत्म" नहीं कर सकते।**

राज्यपाल मुख्यमंत्री से बातचीत करते हैं और उनकी सहमति के लिए प्रस्तुत विधेयकों के निपटारे के संबंध में गतिरोध को हल करते हैं तो हम इसकी सराहना करेंगे।"

पीठ ने कहा, "हम चाहते हैं कि राज्यपाल इस गतिरोध को दूर करें। हम इस तथ्य से अवगत हैं कि हम उच्च संवैधानिक पद के साथ काम कर रहे हैं...संविधान के अनुच्छेद 200 के मूल भाग के तहत राज्यपाल के पास तीन विकल्प हैं। वह विधेयक पर सहमति दे सकते हैं। सहमति रोक सकते हैं या वह को राष्ट्रपति के विचार

के लिए आरक्षित कर सकते है।

पीठ ने कहा, "एक बार जब राज्यपाल सहमति रोक देते हैं तो इसे राष्ट्रपति के पास भेजने का कोई सवाल ही नहीं उठता।" अर्टॉनी जनरल के अपनी ओर से यह कहने पर कि यह एक खुला प्रश्न है और इसकी जांच की जानी चाहिए, पीठ ने कहा, हमने वह कानून बनाया है।यहैह हमारे फैसले (पंजाब के राज्यपाल मामले में) द्वारा शासित है।

पीठ ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति एक निर्वाचित पद रखता है। इसलिए संविधान ने उसे अधिक व्यापक

शक्तियाँ प्रदान की हैं। पीठ ने कहा, केंद्र सरकार के नामित व्यक्ति के रूप में राज्यपाल को अनुच्छेद 200 के मूल भाग में निर्दिष्ट तीन विकल्पों में से एक का उपयोग करना चाहिए।

अर्टॉनी जनरल ने दलील दी कि यदि राज्यपाल अनुमति रोकते हैं तो विधानसभा कहगी कि हमें सहमति रोकने की परवाह नहीं है, "हम विधेयक को एक बार फिर पारित करेंगे।"पीठ ने अर्टॉनी जनरल से पूछा, राज्यपाल के पास सहमति को रोकने की स्वतंत्र शक्ति है?" पीठ कहा कि वह इस मसले पर अगले सप्ताह विचार करेगा। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत ने 20 नवंबर को सवाल किया था कि जनवरी 2020 में सहमति के लिए प्रस्तुत विधेयकों पर निर्णय लेने में तमिलनाडु के राज्यपाल तीन साल तक क्या कर रहे थे।

मोदी ने गुटेरेस से की मुलाकात

दुबई, 1 दिसम्बर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां विश्व जलवायु कार्रवाई सम्मेलन से इतर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की।

मोदी ने भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान समर्थन के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव को धन्यवाद दिया। उन्होंने जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भारत की पहल और प्रगति पर प्रकाश डाला।

दोनों नेताओं ने जलवायु कार्रवाई, जलवायु प्रौद्योगिकी और संयुक्त राष्ट्र सहित बहुपक्षीय मंचों तथा वित्तीय संस्थाओं में सुधारों से संबंधित ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं और चिंताओं पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने जी20 अध्यक्षता के तहत सतत विकास, जलवायु कार्रवाई और आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों में भारत के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री की 'ग्रीन क्रेडिट' पहल का स्वागत किया। गुटेरेस ने भारत की जी20 अध्यक्षता की उपलब्धियों को आगे बढ़ाने और उन्हें संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन 2024 में आगे ले जाने के लिए भारत के साथ काम करने की पुष्टि की।

2.40 लाख रू. की रिश्वत लेते सरपंच गिरफ्तार

- चित्तौड़गढ़ के जाड़ाना गांव के सरपंच संजय सुखवाल ने पट्टा जारी करने के एवज में यह रिश्वत ली है।**
- उल्लेखनीय है कि आरोपी सरपंच शिकायत के सत्यापन के दौरान ही परिवादी से 1 लाख रुपये ले चुका था।**

भूखण्ड का पट्टा जारी करने की एवज में संजय सुखवाल उर्फ संजू सरपंच, ग्राम पंचायत जाड़ाना, तहसील राशमी, जिला चित्तौड़गढ़ को परिवादी से 2 लाख 40 हजार रूपये की रिश्वत लेते रहे। हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक श्री हेमन्त प्रियदर्शी (अतिरिक्त चार्ज महानिदेशक) ने बताया कि ए.सी.बी. की चित्तौड़गढ़ इकाई में परिवादी ने शिकायत की थी कि उसके कब्जाशुदा

ए.सी.बी. के उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल की निगरानी में ए.सी.बी. की

नवम्बर में जी.एस.टी. कलैक्शन 1.68 लाख करोड़ से अधिक

नयी दिल्ली, 1 दिसंबर (वार्ता)। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह इस वर्ष नवंबर में 1.68 लाख करोड़ रुपये के करीब रहा है जो पिछले वर्ष के इसी महीने में संग्रहित 145867 करोड़ रुपये के अनुसार भाजपा 3 से 5 सीटों जीतकर ए.आई.एम.आई.एम. के बाद चौथे स्थान पर रहेगी। ए.आई.एम.आई.एम. के सात सीटें जीतने की संभावना है और उसकी वर्तमान में भी इतनी ही सीटें हैं।

उम्मीद है कि कांग्रेस 60 से अधिक सीटें जीतकर तेलंगाना में सरकार का गठन करेगी, लेकिन बिजु पाटी बहमत के जाड़ई आंकड़े से थोड़ा सा भी दूर रह जाती है या पार्टी के नव निर्वाचित विधायकों दल-बदल अथवा इस्तीफा देने के लिए प्रलोभित किया जाता है तो ऐसी स्थिति में कांग्रेस का प्लान भी ही तैयार है। इसीलिए अपने बहुमूल्य लोगों को संरक्षित करने के लिए पार्टी ने एक आपातकालीन योजना बनाई है और इस काम के लिए डी.के. शिवकुमार से अधिक योग्य कौन हो सकता है?

पुलवामा मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी मारा गया

श्रीनगर 1 दिसंबर (वार्ता)। दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर–ए–तैयबा का एक आतंकवादी मारा गया। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के बाद पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने पुलवामा के अरिहाल गांव में गुरुवार को घेराबंदी और तलाश अभियान छेड़ा था। इसी दौरान वहां छिपे

- मृत आतंकवादी की पहचान पिंजुरा शोपियां निवासी मोहम्मद अयूब अली के बेटे किरायत अयूब अली के रूप में हुई है, जो प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था।**

आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलायीं। दोनों पक्षों के बीच चली मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया।

उन्होंने बताया कि मृत आतंकवादी की पहचान पिंजुरा शोपियां निवासी मोहम्मद अयूब अली के बेटे किरफायत अयूब अली के रूप में हुई है।

गाज़ा पट्टी में इज़राइली हमलों में 1 0 9 लोगों की मौत

इज़राइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि, हम हमास के पूरी तरह से खात्मे की कसम खा चुके हैं अब पीछे नहीं हट सकते

यरुशलेम/टय्युसिन, 1 दिसंबर (वार्ता/स्पूतनिक)। गाजा पट्टी पर शुक्रवार को इजरायली हमलों में मरने वालों की संख्या 109 से अधिक हो गई है तथा बड़ी संख्या में लोग घायल हो गये। गाजा पट्टी के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

इससे पहले दिन में इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसने गाजा पट्टी में हमास आंदोलन के खिलाफ लड़ाई फिर से शुरू कर दी है। उसने कहा कि उसने इजरायली क्षेत्र पर गोलीबारी करके मानवीय विराम का उल्लंघन किया है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, आज सुबह संघर्ष विराम खत्म होने के बाद से इजरायली हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 109 हो गई है और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, संघर्ष विराम की समाप्ति के तीन घंटे के

‘हिन्द प्रशांत क्षेत्र में किसी भी समय टकरावपूर्ण स्थिति बन सकती है’

नयी दिल्ली, 1 दिसंबर (वार्ता)। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने शुक्रवार को कहा कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र में जिस तरह के विवाद हैं उनके कारण वहां किसी भी समय टकरावपूर्ण स्थिति बन सकती है लेकिन भारतीय नौसेना वहां कड़ी नजर रख रही है और हर स्थिती से निपटने में पूरी तरह सक्षम है।

नौसेना प्रमुख ने नौसेना दिवस से पहले आज यहां वार्षिक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए हिन्द प्रशांत क्षेत्र की स्थिति के बारे में पूछे सवाल के जवाब में कहा कि वहां कुछ विवाद हैं और ये टकराव का रूप भी ले सकते हैं। इसके अलावा वहां डकेती से लेकर तस्करी तथा आपदाओं के समय विभिन्न तरह के अभियान चलाने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हिंद प्रशांत में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए परस्पर संवाद जरूरी है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि भारत खुले, मुक्त, स्वतंत्र तथा नियम आधारित हिंद प्रशांत क्षेत्र का पक्षधर है।

उन्होंने कहा कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र में भारत हर गतिविधि पर कड़ी नजर रख रहा है और किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम है। हिंद महासागर के बारे में एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि सागर साझा धरोहर माने जाते हैं। महासागरों में हर

- नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि, हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती आर्थिक और सामरिक महत्वाकांक्ष इस क्षेत्र में शांति की राह में सबसे बड़ी बाधा है।**
- नौसेना में हाल ही में एक महिला अनिवीर की आत्महत्या से जुड़े प्रश्न पर उन्होंने कहा कि, यह दुर्भाग्यपूर्ण है और इस मामले की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इक्वायरी का गठन किया गया है।**

देश कानूनी रूप से अपनी आर्थिक आकांक्षाओं को पूरा कर सकता है। चीन को भी वहां आर्थिक गतिविधियों का अधिकार है। क्षेत्र में भारत एक नौसैनिक ताकत है और वह हर देश की गतिविधि पर करीबी नजर रखता है ।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में भारतीय हितों की रक्षा करना नौसेना की प्राथमिकता है।

एडमिरल कुमार ने कहा कि जहां नौसेना के युद्धपोत और अन्य प्लेटफार्म हिन्द महासागर तथा हिन्द प्रशांत में तैनात रहते हैं वहीं हमारे प्लेटफार्म विभिन्न मित्र देशों की यात्राओं पर भी जाते हैं। इसके अलावा वे विभिन्न अभियानों में हिस्सा लेने के साथ-साथ अनेक देशों की नौसेनाओं के साथ द्विपक्षीय तथा संयुक्त अभ्यास में भी हिस्सा लेते हैं।

उन्होंने कहा कि इससे नौसेनाओं के बीच परस्पर विश्वास तो बढ़ता ही है इनमें तालमेल तथा सहयोग भी बढ़ता है। युद्धपोतों की विभिन्न जगहों पर तैनाती से जहां क्षेत्र में निगरानी की जाती है वहीं अलग-अलग अभियानों में हिस्सा लेने से उसकी विश्वसनीयता बढ़ती है।

नौसेना के लिए दूसरे विमानवाहक पोत के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत बनाने के बाद अब नौसेना आश्चर्य है कि उसे इस क्षेत्र में महारत हासिल हो गयी है और अब अधिक आधुनिक विमानवाहक पोत को भी कम समय में बनाया जा सकता है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण पर उन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि आयात पर निर्भरता कम होती है।

इज़राइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि, हम हमास के पूरी तरह से खात्मे की कसम खा चुके हैं अब पीछे नहीं हट सकते

सीज़फायर खत्म होते ही इज़राइल ने फिर से हमास के ठिकानों को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ कई हमले किये।

- रिपोर्ट्स के अनुसार सीज़फायर के दौरान सबसे पहले हमास की ओर से इज़राइली क्षेत्र में हमले किये गये थे, उसके तुरंत बाद इज़राइल ने भी गाज़ा पट्टी पर जवाबी हमले शुरू कर दिये।**
- हमलों से पहले इजराइल के रक्षा बलों ने कहा कि, हमास ने मानवीय विराम तोड़ दिया, जिससे इज़राइल को युद्ध फिर से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा।**

भीतर इजरायली कब्जे के नरसंहार के पीड़ितों की संख्या बढ़कर 32 हो गई। इनमें कई लोगों को अलग-अलग स्तर की चोटें लगीं। मृत और घायल लोगों में अधिकांश महिलायें और बच्चे शामिल हैं।

इससे पहले दिन में, इजरायल रक्षा बलों ने कहा कि हमास ने मानवीय विराम तोड़ दिया, जिससे इज़राइल को युद्ध फिर से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने गुरुवार देर रात रिपोर्ट दी कि दोनों पक्ष अस्थायी मानवीय विराम को आठवें दिन तक बढ़ाने पर सहमत हुए हैं।

अब तीन को नहीं चार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
जिरलाई पावल (एमजेडपी) शामिल हैं। आइजोल में राजभवन के पास रेली को संबोधित करते हुए एनजीओसीसी के अध्यक्ष लालहमछुआना ने निर्वाचन आयोग पर राजनीतिक दलों, गिरजाघरों और गैर सरकारी संगठनों द्वारा बार-बार मतगणना की तारीख को बदलने की अपील के बावजूद इस मुद्दे पर चुप रहने का आरोप लगाया। लालहमछुआना ने कहा कि मतगणना की तारीख रिविवा को पड़ती है, जो ईसाईयों के लिए एक पवित्र दिन है। उन्होंने कहा कि मिजोरम एक ईसाई बहुल राज्य है। उन्होंने कहा कि एनजीओसीसी ने हाल ही में एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली भेजा था और निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि निर्वाचन आयोग इस मुद्दे पर चुप रहा और हमारी अपीलों का जवाब देने में विफल रहा।

बैंक के असिस्टेंट मैनेजर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोपी को सर्येंड कर शास्त्रीनगर पुलिस थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। यह गबन यूनियन बैंक की दो शाखाओं बासनी और जालोरी गेट पर हुआ है।

आरोपी अप्रैल 2023 से जोधपुर की सोजती गेट ब्रांच में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत था। इसी ब्रांच के मैनेजर ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

शास्त्रीनगर पुलिस थाना प्रभारी मोहम्मद शफीक खान ने बताया कि सोजती गेट स्थित यूनियन बैंक के प्रबंधक चेतन प्रकाश ने गुरुवार रात गबन का मामला दर्ज कराया है। उन्होंने यूनियन बैंक (सोजती गेट) के सह प्रबंधक आकाश वर्मा पर साल 2021 से अप्रैल 2023 तक करीब दो साल में बासनी और जालोरी गेट ब्रांच में रहते हुए एक करोड़ रुपए का गबन करने के आरोप लगाए।

थाना प्रभारी ने बताया कि धोखाधड़ी काफी शातिर तरीके से की गई है। इस संबंध में पुलिस जांच कर

में सह प्रबंधक था।

बासनी और जालोरी गेट शाखा में रहते हुए उसने फर्जी डॉक्यूमेंट के जरिए कई क्रेडिट कार्ड जारी किए, खुद उनका वैरिफिकेशन किया। फिर दोस्तों, रिश्तेदारों के बिजली बिल, अन्य बिलों, शॉपिंग व अन्य खर्चों के लिए उन्हें क्रेडिट कार्ड देता। बदले में उसने कैश ले लेता था। इस तरह दो साल में उसने 1 करोड़ से ज्यादा का गबन किया।

जानकारी के अनुसार दोनों बैंक शाखाओं में जब 20 क्रेडिट कार्ड के 1 करोड़ से ज्यादा के बिल लंबे समय से बकाया आए तो मामला उजागर हो गया। आकाश ने काफी शातिर तरीके से बैंक से धोखाधड़ी की। उसने असिस्टेंट मैनेजर पद का फायदा उठाया। पहले क्रेडिट कार्ड जारी करवाए, फिर वैरिफिकेशन में धांधली की। उसने सभी कार्ड की लिमिट 5 लाख रुपए रखी, ताकि अधिक से अधिक फ्रॉड किया जा सके। सभी कार्ड वह अपने पास ही रखता था और जरूरत के वक्त दोस्तों-रिश्तेदारों को देता था।

आरोपी आकाश ने पिछले दो साल में इन सभी कार्ड की पूरी लिमिट करीब 1 करोड़ रुपए यूज कर ली थी। इसके बाद बिलों का पैसा वापस बैंक में जमा नहीं कराया, जिसके कारण बैंक प्रशासन ने बकाया राशि को लेकर जांच की।

बहरहाल शास्त्रीनगर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। बैंक से संबंधित दस्तावेज मंगवाए गए हैं। बैंक अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार पिछले दो साल से 20 क्रेडिट कार्ड का पेमेंट बकाया चल रहा था। बैंक के कर्मचारियों ने इन क्रेडिट कार्ड के लिए लगाए गए दस्तावेज खंगाले तो कोई जानकारी नहीं मिली। जिनके डॉक्यूमेंट लगे थे, उन्होंने कहा कि वे क्रेडिट कार्ड के बारे में नहीं जानती। जांच की तो पता चला कि सभी कार्ड एक ही अधिकारी (आकाश वर्मा) ने वैरिफाई किए हैं। जिन लोगों के नाम पर ये क्रेडिट कार्ड थे, वे या तो आकाश के दोस्त निकले, या फिर रिश्तेदार। इसके बाद मामला साफ हो गया।

^[1] राष्ट्रदूत (एचयूपएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक- राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुघर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स: 0141-2373513, कोटा कार्यालय: पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय: कुम्भाणा हाऊस, हनुमान कल्या, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जयपुर कार्यालय: आयाड मैंन रोड बाईपास, जयपुर। फोन: 2413092, फैक्स: 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नगर के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्दुवटीवल परिया, फेस प्रथम, जालोरा फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डोनिर्सिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डोनिर्सिटी फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600